

संपादकीय

नयी सोच की दावेदारी

कश्मीर एक नयी पार्टी के जन्म की प्रतीक्षा से गुजरा है। ऐसी राजनीतिक पार्टी, जिसमें नये विचार, नयी सोच और धर्मनिरपेक्षता की खुशबू आ रही है। नौकरशाह से राजनीतिज्ञ बने शाह फैजल ने अपनी पार्टी में मुस्लिमों, कश्मीरी पंडितों, सिखों, महिलाओं, जवानों और अन्य उपेक्षित सामाजिक वर्गों को पार्टी में प्रतिनिधित्व देने का वादा किया है। उन्होंने अपनी पार्टी का सूत्र वाक्य बनाया है 'अब हवा बदलेगी।' पार्टी ने पीड़ित, राजनीतिक रूप से उपेक्षित और आतंकवादियों से दुरखी लोगों के बीच समान अवसर देने, घाटी में सभी धर्मों और सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने का वादा करके उन्होंने जम्मू और कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट नामक पार्टी को मूर्त रूप दिया है। कश्मीर और दिल्ली के बीच की राजनीतिक दूरियों को पाटने का भी वादा है। उनका कहना था कि हमारी राजनीति कश्मीरी पंडितों की इज्जतशुद्धा वापसी के बिना अधूरी है। फैजल जो 2010 के यूपीएससी के टॉपर रहे हैं, ने प्रदेश के विभाजन की सोच को सिर से खारिज कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कश्मीर को जम्मू के खिलाफ, जम्मू को पीर पंजाल के खिलाफ करने जैसी विभाजन रेखा कश्मीर में नहीं चलेगी। मगर पार्टी के गठन के समय सिर्फ कुरान की आयतें ही पढ़ी गयीं। पार्टी हकीकत में क्या कर पाती है, यह समय बताएगा लेकिन पार्टी ने बड़ी योजनाएं बना रखी हैं। अपनी पहचान के लिए जेकेपीएम कश्मीर में एक नयी सोच और एक नये राजनीतिक वातावरण का निर्माण करने की कोशिश कर रही है। ऐसे राजनीतिक माहौल में यह पार्टी उम्मीद जगाती है जबकि नेशनल कानफेंस और कांग्रेस की आपसी बात नहीं बनी, क्योंकि नेशनल कानफेंस ने कांग्रेस को कोई भी सीट देने से मना कर दिया था। पीडीपी ने अपनी स्थिति कश्मीर में वैसे ही कमजोर कर ली है पहले भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन करके और बाद में उस गठबंधन को तोड़कर। पार्टी के शुभारंभ के अवसर पर लोगों की मौजूदगी संकेत है कि पार्टी से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं।

डिस्कॉम के भुगतान में देरी से बिजली क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये का निजी निवेश खतरे में

नई दिल्ली। राज्यों द्वारा महीनों से बिजली का भुगतान नहीं किए जाने की वजह से करीब एक दर्जन बिजली संयंत्रों में 3 लाख करोड़ रुपये का निजी निवेश जोखिम में है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। बिजली मंत्रालय के प्राप्ति पोर्टल के अनुसार जीएमआर और अडाणी समूह की कंपनियों के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की हज़ारों को दिसंबर, 2018 तक राज्यों की बिजली वितरण



कंपनियों (डिस्कॉम) से 41,730 करोड़ रुपये की वसूली करनी थी। अब यह बकाया करीब

60,000 करोड़ रुपये का है। इनमें से आधी राशि बिजली क्षेत्र की स्वतंत्र उत्पादक इकाइयों को वसूलनी है। भाजपा शासित उत्तर प्रदेश पर सबसे अधिक 6,497 करोड़ रुपये का बकाया है जबकि महाराष्ट्र पर 6,179 करोड़ रुपये का बकाया है। जो अन्य राज्य समय पर बिजली उत्पादक कंपनियों को भुगतान नहीं कर रहे हैं उनमें तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश,

जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब शामिल हैं। प्राप्ति पोर्टल के अनुसार उत्तर प्रदेश को अपने बकाया को चुकाने में 544 दिन लगते हैं जबकि महाराष्ट्र इसके लिए 580 दिन का समय लेता है। देश के सबसे अधिक औद्योगिक राज्य मसलन महाराष्ट्र और तमिलनाडु पर कुल का 80 प्रतिशत से अधिक का बकाया है। ये बिजली के सबसे बड़े उपभोक्ता राज्य हैं। शीर्ष दस

राज्य भुगतान के लिए औसतन 562 दिन का समय लेते हैं। सूत्रों ने कहा कि भुगतान में देरी की वजह से निजी क्षेत्र की बिजली कंपनियों के समक्ष कार्यशील पूंजी का संकट पैदा हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि बजाज समूह के स्वामित्व वाली ललितपुर पावर जेनरेशन कंपनी उत्तर प्रदेश की डिस्कॉम पर 2,185 करोड़ रुपये के बकाये की वजह से अपने करीब तीन

हजार कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं कर पा रही है। यही नहीं कंपनी अपने पास जरूरी कोयले का भंडार भी रखने में विफल है। दिसंबर, 2018 तक कुल 41,730 करोड़ रुपये के बिजली बकाये में से अडाणी समूह को 7,433.47 करोड़ रुपये और जीएमआर को 1,788.18 करोड़ रुपये की वसूली करनी है। सेम्बकॉर्प को 1,497.07 करोड़ रुपये वसूलने है।

हॉकी: भारत ने एशियाई खेल चैंपियन जापान को 2-0 से हराया

इपोह (मलेशिया) (आरएनएस)। भारत की युवा टीम ने नए सत्र की विजयी शुरुआत करते हुए एशियाई खेलों के चैंपियन जापान को 28वें सुलतान अजलान शाह कप हॉकी टूर्नामेंट में शनिवार को 2-0 से हरा दिया। भारत ने पिछले वर्ष जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में जापान को 8-0 से पीटा था। भारत को सेमीफाइनल से सडन डेथ में हार का सामना करना पड़ा था जबकि जापान ने फाइनल में मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। भारत की जीत में वरुण कुमार ने 24वें मिनट में पेनल्टी कर्नर पर गोल किया जबकि सिमरनजीत सिंह ने 56वें मिनट में दूसरा गोल दागा। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए कई अनुभवी खिलाड़ियों को विश्राम दिया था।



भारत ने इस मुकाबले में मजबूत डिफेंस दिखाया और जापान को गोल करने से रोके रखा। भारत ने पहले हाफ में अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और दूसरे हाफ में कृष्ण पाठक को उतारा।

जापान को अंतिम दो मिनटों में पेनल्टी कर्नर मिला जिस पर सुरेंद्र कुमार ने अच्छे बचाव किया। वरुण कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। भारत का अगला मुकाबला रविवार को दक्षिण कोरिया से होगा जिसने एक अन्य मुकाबले में कनाडा को 6-3 से पीटा और छह टीमों के टूर्नामेंट की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। भारत तालिका में दूसरे स्थान पर है।

शत्रु संपत्तियों की बिक्री, पुनर्खरीद से सरकार को मिले 11,300 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। शत्रु शेरों की बिक्री तथा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में पुनर्खरीद से सरकार ने इस वित्त वर्ष में 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। इससे सरकार को चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 85 हजार करोड़ रुपये जुटाने में मदद मिली है। यह किसी भी वित्त वर्ष में अब तक का विनिवेश का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर 2018 में निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) को कंपनियों के शत्रु शेर बेचने की मंजूरी दी थी। इसके बाद शत्रु शेरों को बेचकर सरकार ने 700 करोड़ रुपये हासिल किए। इसके अलावा सरकार ने केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के शेरों की पुनर्खरीद से 10,600 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं। वित्त वर्ष 2018-19 में



सरकार ने लगातार दूसरे साल विनिवेश से लक्ष्य से अधिक राशि जुटाई। चालू वित्त वर्ष के लिए बजट में 80 हजार करोड़ रुपये के विनिवेश का लक्ष्य तय किया गया था। इससे पहले वित्त वर्ष 2017-18 में सरकार ने

72,500 करोड़ रुपये के लक्ष्य की तुलना में विनिवेश से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे। चालू वित्त वर्ष में एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (श्वस्र) से सर्वाधिक 45,729 करोड़ रुपये जुटाए गए। इसके बाद सरकारी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन में आरईसी द्वारा सरकार की 52.63 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने से सरकार को 14,500 करोड़ रुपये मिले।

सेवाओं के लिए आधार कार्ड लिंक करना आज भी है जरूरी

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (आई डीए आई) की ओर से जारी आधार को कई सेवाओं से लिंक करना अनिवार्य बनाया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कई संस्थानों में इसका इस्तेमाल अनिवार्य है या नहीं इस पर आशंका बनी हुई है। आज हम आपको उन सेवाओं और संस्थानों के बारे में बता रहे हैं जहां पर आधार आज भी अनिवार्य है।

फुटबाल: फ्रांस ने मोल्डोवा को 4-1 से हराया

पेरिस (आरएनएस)। मौजूदा विश्व कप विजेता फ्रांस ने अपने दमदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए 2020 यूरो क्वालीफायर्स के अपने पहले मैच में मोल्डोवा को 4-1 से पराजित किया। मोल्डोवा के घरेलू मैदान पर शुक्रवार को खेले गए ग्रुप-एच के इस मुकाबले में फ्रांस के लिए चार अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल दागे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मेहमान टीम ने मैच के शुरुआती 40 मिनट में ही तीन

गोल दागकर मैच में अपनी स्थिति सुरक्षित कर दी। पहला गोल एंटोनी ग्रीजमैन ने 24वें मिनट में किया और तीन मिनट बाद डिफेंडर राफेल वरान ने फ्रांस की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहला हाफ समाप्त होने से पहले 36वें मिनट में स्ट्राइकर आलिवर जिर्कु ने स्कोर 3-0 कर दिया। मेहमान टीम ने दूसरे हाफ में अपने आक्रमण की गति कम नहीं की। 87वें मिनट में युवा सनसनी कीलियन एम्बाप्पे ने मुकाबले का चौथा गोल दागा।

आज का राशिफल

शेष:- गणेशजी कहते हैं कि आज आप सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों की प्रशंसा प्राप्त कर सकेंगे। लक्ष्मीजी की कृपा रहेगी। कुटुंब और वांछित जीवन में सुख और संतोष का अनुभव करेंगे। वाहन सुख मिलेगा। पृथ्वी:- शारीरिक और मानसिक स्वस्थता के साथ आप अपने कार्य पूरा कर सकेंगे। बीमार व्यक्ति आज स्वास्थ्य में सुधार का अनुभव करेंगे। नित्यहल पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे। मिथुन:- आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। बार कार्यों की शुरुआत करने के लिए आज अनुकूल दिन नहीं है। जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाद-विवाद के दौरान मानवनिब न हो, इसका ध्यान रखें। कर्क:- आप में आज आनंद और स्फूर्ति का अभाव हो सकता है। मन में स्थिरता रहेगी। छाती में दर्द या अन्य कोई कारण से तकलीफ हो सकती है। अग्नि और आरतन आज आपको परेशान कर सकता है। सिंह:- आज के दिन आप शरीर में ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। दोस्तों के साथ घनिष्ठता का अनुभव करेंगे। मित्रों एवं स्वजनों के साथ लघु पर्यटन या प्रवास होगा। कन्या:- परिवार में सुख-शांति और परिजनों के साथ आज के दिन को सुखहाल बनाएंगे। आज आपको मधुरभाषी का जादू अन्य लोगों को प्रभावित करेगा। प्रवास की संभावना है। तुला:- आज आपको रचनात्मक शक्ति या प्रकट होगी। सृजनात्मक प्रवृत्तियां करेंगी। वैचारिक चूड़ता से आपके कार्य सफल बनेंगे। मौजशौक के साथ तथा मनोरंजन के पीछे आज पैसे खर्च हो सकता है। बुध:- आज दिन के समय अमोघ-प्रमोद तथा मनोरंजन के पीछे पैसे खर्च करेंगे। मानसिक चिंता और शारीरिक तकलीफों से परेशान हो सकते हैं। वाणी या व्यवहार में झगड़े-झड़त का कारण बन सकता है। परिजनों और सौहार्दों के साथ अनबन हो सकती है। धनु:- आज का दिन आपके लिए लाभदायक होगा। गृहस्थजीवन में सुख-शांति रहेगी। प्रिय व्यक्ति के साथ का मिलन वादगार रहेगा। प्रेम के सुखद क्षण का आनंद ले सकेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे। मकर:- व्यवसाय के क्षेत्र में धन, मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार हेतु भागदौड़ और वसूली हेतु प्रवास से लाभ होने की संभावना रहेगी। उच्च पदाधिकारी सुख होने से प्रमोशन के संयोग सृष्टे होंगे। कुंभ:- आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। आज काम करने का उत्साह कम रहेगा। नौकरी में उच्च पदाधिकारियों से संभलकर रहना पड़ेगा। मीन:- आज गणेशजी आपके धनलाभ का योग देखते हैं। मानसिक तथा शारीरिक श्रम के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सर्दी, सांस की तकलीफ, खांसी और पेट दर्द जोर पकड़ेंगे। खर्च में वृद्धि होगी।

न रखें एक से ज्यादा पैन कार्ड, जानिए कैसे करा सकते हैं सरेंडर

नई दिल्ली। कई लोग अपनी खराब क्रेडिट हिस्ट्री को मिटाने और होम लोन लेने के लिए एक से ज्यादा पैन कार्ड बनवा लेते हैं। वहीं कुछ लोग जानबूझकर टैक्स से बचने के लिए भी ऐसा करते हैं। आपको जानकारी के लिए बता दें कि किसी भी व्यक्ति के लिए एक से ज्यादा पैन कार्ड रखना गैर कानूनी है। गौरतलब है कि पैन कार्ड (पर्मनेंट अकाउंट नंबर) एक यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर होता है, जिसे आयकर विभाग जारी करता है। 10 डिजिट वाले इस

अल्फान्यूमैरिक नंबर का इस्तेमाल आईडेंटिटी प्रूफ के तौर पर किया जाता है। यह बैंकिंग और तमाम वित्तीय लेनदेन के लिए जरूरी होता है। पैन किसी व्यक्ति के वित्तीय लेनदेन को ट्रैक करने में आयकर विभाग की मदद करता है। इसके जरिए यह आसानी से जाना जा सकता है कि व्यक्ति और कंपनी की वास्तविक आय कितनी है। आयकर अधिनियम 1961 के

सेक्शन 139 के अंतर्गत एक व्यक्ति अपने पास सिर्फ एक ही पैन कार्ड रख सकता है। पैन कार्ड हमेशा एक ही रहता है फिर भले ही पैन कार्ड होल्डर अपने आवास की जगह बदल दे। एक से ज्यादा पैन कार्ड बनवाना कानूनी रूप से गलत है। अगर कोई व्यक्ति एक से ज्यादा पैन कार्ड रखते हुए पाया जाता है तो उस पर कानून कार्यवाही हो सकती है और वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है।



कोलकाता-हैदराबाद भिड़ंत में 'विदेशी' पर रहेगी निगाहें

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता नाईट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रविवार को यहां इंडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में दोनों टीमों की जीत का दारोमदार उनके विदेशी खिलाड़ियों पर निर्भर करेगा। दो बार आईपीएल विजेता रह चुकी कोलकाता ने 2019 सत्र के लिए अपने कोर ग्रुप को लगभग बरकरार रखा है और टीम की उम्मीदों का दारोमदार वेस्ट इंडीज के धुरंधर सुनील नारायण पर रहेगा जो न केवल ओपनिंग में विस्प्रेटक बल्लेबाजी करते हैं बल्कि अपनी अबूझ गेंदों से बल्लेबाजों को भी छकाते हैं। नारायण का साथ देने के लिए भारतीय चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव मौजूद रहेंगे।

सूचीबद्ध कंपनियों के खातों की जांच के लिए अधिक अधिकार चाहती है सेबी

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने वित्तीय धोखाधड़ी पर लगातार लगे के लिए किसी भी प्रतिभूति नियम का उल्लंघन होने पर सूचीबद्ध कंपनियों के बही-खातों की जांच करने तथा धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ सीधी कार्रवाई करने के अधिकार की मांग की है। इसके अलावा, सेबी ने न्यायिक जांच को प्रभावित करने के उद्देश्य से रेकॉर्ड एवं दस्तावेज में हेर-फेर करने पर भारी जुर्माना लगाने का भी प्रस्ताव दिया है।



अभी सेबी भेदिया कारोबार एवं धोखाधड़ी अथवा अनुचित व्यापार व्यवहार से संबंधित प्रावधानों का उल्लंघन होने पर ही इस तरह की जांच कर सकता है। सेबी ने नए प्रस्ताव में अपने इस अधिकार को विस्तृत कर किसी भी प्रतिभूति कानून के उल्लंघन की स्थिति में सूचीबद्ध कंपनियों के बही-खातों की जांच करने के अधिकार की मांग की है।

साबूदाना लड्डू रेसिपी...

साबूदाने का लड्डू खाने में जितना टेस्टी होता है सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद। इसे खास मौकों पर बनाने के साथ ही त्रय में भी खाया जा सकता है।



सामग्री:
साबूदाना-1 कप, नारियल-1 कप (कद्दकस किया हुआ), शक्कर -1 कप (पिसी हुई), घी-1 कप, छोटी इलाइची-4 (पिसी हुई), काजू- 1 बड़ा चम्मच (कतरा हुआ), बादाम-1 बड़ा चम्मच (कतरा हुआ)

विधि:
साबूदाना लड्डू बनाने के लिए एक कढ़ाई लें। कढ़ाई में साबूदाना डाल के सूखा ही धीमी आंच पर भूनें। जब साबूदाना थोड़ा फूल कर बड़ा और हल्का सुनहरा रंग का हो जाये और कुरकुरा हो जाये तब गैस

कद्दकस किया हुआ नारियल डाल के भूनें। जब नारियल हल्का सुनहरा हो जाये तो उसमें साबूदाना पाउडर, शक्कर मिला के गैस बंद कर दें। अब एक छोटे पैन में घी डाल के गरम करें। जब घी गरम हो जाये तो उसमें कटे हुए मेवे डाल दें। 1-2 मिनट भूने के बाद साबूदाने के मिक्सचर को पैन में डाल दें। इसके बाद इलाइची पाउडर भी डाल दें और मिश्रण को अच्छे से मिला लें। जब मिश्रण हल्का गरम हो तभी उसके लड्डू बना लें। अब एयरटाइट डिब्बे में भर के रख लें और जब मन करे, तब इसका स्वाद लें।

शब्द सामर्थ्य-14

1. राजद प्रमुख	6. रखवाला,	21. विक्रय करना	22. वाणी,	गया, नत	9. इधर-उधर, पास
रक्षा करने वाला	7. दयालु, रहम करने वाला (उ.)	10. युगम, नागरिक, चतुर।	ऊपर से नीचे	1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई	2. मूर्ति 3. दोस्त, हुए को प्रसन्न करना
जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता	13. कैदखाना, जेल,	15. जानकी, जनकनंदनी	17. व्यर्थ की बात, प्रेमी	4. कुशल, विशेषज्ञ	5. नदिया, नद।
हिरासत	18. नारी, स्त्री, महिला	बगुला	8. झुका हुआ, झुकाया		

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 13 का हल

मा	म	ला	सि	बा	य	कि
लि	चा	ह	त	म	म	ता
क	सू	र	म	ग	न	ब
र						
क	मा	न	पा	र	स	स
मी	म	जा	ल	न	क	ली
ना	दा	न	ना	र	द	का
मि						
सु	नी	ल	अ	धी	र	जी

सू-दोक्-14

	2		6		1
3		4		2	
					6
6			4		
	9	5			1
4	3		9		2
	8	2			7
1	2	4	9	6	6

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें प्रयोगों का एक खंड बनाता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, काल और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र.13 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1